

राजाया जात्रास
सिद्धि जुयु म
खु

ती
र्थ जा
त्रास नव
उखनसि
जिय व

तीर्थ जात्रा नाना तं या
यम दुय नया जनं
दुयिमखु.

तीर्थ सज्या थ गुंसें लि
तिनि स्थिर न बोने
का मनाती परबीव
र्थ सताका
ल सिद्धि जुयु व

उपडवजुवनम
यदयुमखु
संग्रामन
थवदेशलिहा
वयेफयु

विदेशसबोडवड
सननानंवयुवा॥

शत्रुवल्याजनथ
वजयजुयु

संग्रामसजयजुयु

सममी॥५॥
विदेशसबोडवड
बोडसंननानंवयु
लामवयुलातोये॥

समत्य
वियानेथवतसुख
नेयु
नीर्थसरल्यापह
नितेज्याथमजुतो
लेबोनेफयुव॥

राजायाजनसि
दिदयु

रा
जाया
बोडस
कुनथित
दिजुयुव

नीर्थजात्रासतव
विप्रजुयुधनफु
यु

कामतातीर्थस
तीर्थजात्रासतव
विप्रजुयुधनफु
यु
मफुका
वित्तवलेम
तसिदिजुयुव

विदेशसचोडः स
खुलानथिवयी

उपदवतुवतं
धंधाकायसते

विदेशसचोडः सव
मसु

दामत्यायवि
पानमधम
फल

तीर्थसताका
लंस्थिराचोने
दसुव

सं ग्रामनविलभनथ
वकेवनेदयव

नवमी ॥ ५८
सलविसलमयक

कामनातीर्थसकाम
नासिद्धिजुयुमसुम

विदेशसचोडः सडायु
लासोय॥

तुजुयंफु

सं ग्रामयाजमिल
जुयुखुंयुदजुयु

रा
जाया
जीत्राका
ल्यानजुयु

राजायायात्रानना
नंसिद्धिजुयुव

तार्थजात्रासुखनं
सिद्धिजुयु॥
ती
र्थजात्रा
याजनधनं
फुयुथमनंदुः
खसियुव

विदेशसबोड
हलिवयिव

विदेशस
बोड-हलि
हावयूनी

ज्याहोयाहमयाज्या
मसिधकंवलो

तीर्थसबोने
फरुमखु

कामना
तीर्थससंपू
र्णसिद्धिजुय

उपद्रवजुवतवध

रुमपदयिव

दशमी ॥ ५२

ज्याहोयाहमनज्या

सिद्धयाजवयुला
मवपूलाहोय

तीर्थजात्राताकाल

नसिद्धजुयुव॥

संगामनलि
हावनेदयाम
सं
ग्राम
सथव
जयजुयुम

राजार्यजात्रासंपू
र्णसिद्धिजुयुव

तीर्थजात्रानिविषुं
सिद्धिजुयुसत्ता
रा
जायाजा
त्रासिद्धिजु
युमखु
त्रहपासा
लाय

यादोयासुव
यिव

विदेशस
बोडसुनना
नं श्रीयिव

बोजमडसुमदतो

कामनायानाती
र्थससिद्धिजु

सुव॥ राम तीर्थजात्रा
त्पापवि दक्षिनसिद्धि
पान जुयुव

विदेशसवडसुल

एकादशी ६०
बोजखवमदयक
विदेशसवतसुसि
तलादनितोये॥
ली

तीर्थजात्रावतलस

सवल

नायीव

उपडवजुवनभयद
यिवमखुकल्या
राजुयु

सं
ग्रामन
लिहावते
सुव

सं ग्रामसजयजुयि
वथवमतसआन
न्यजुयुव॥

राजायाजात्राका
रा लनसिद्धिजुयुव
जाया
जात्रास
मध्यमफ
ले

विदमसचाठक
पिरामडानि

घोजमइह
सुखनचोनकाल
नउनिवयूव

न्याछोयासवकिन्यासिद्ध
यकाचाकूनथिवयू

विदमसचाठक
थेकनासंयोनउनि

नार्थयाजाविल
रनसिद्धि
यूव

नाजाया
न्यासिद्ध
यूवमखजुल
सार्नविलेनउ
निरपू

उयोदमिद्ध
विदमसचाठक
थेकनासंयोनलाडा
पूलाथेकनासंवा
निल्लासाये॥

नाजायायात्रासक
ननसिद्धिपू

विदेशसचाठक
दाखिनथिवयूव

विदम
सचाठक
निरपू
यूवमख
नानिजुयावकीन

उपकरवन्नर
यदयीवन्नर
रूप

संग्रामसलिल
वपथाकुनसुख

संग्राम
नथवदम
अनिरूप

२३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

५७२३५७२३
 ५७२३५७२३

11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847

२५

卷之四

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

18121019.

Р. 2. Р. 13. Р. 14. Р. 15. Р. 16.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः

ገላት
ዘክርያስ
ዘመን

नृगलमच्छिठ
पाहीरुखनद
रुडाबागि यि॥

म्यायिडासख

भवसानंथफ्फुमी
पाकायवूयडा॥

संग्रामसुजयरूप
थडा॥

संग्रामनन
नानेडा नदयि

पनदहासचाठफ्फु(थ आदित्य १
मीयागभिस

उपडरुआनतडाधन

केनागोलगाठाला॥

कायफ्फुचचाठ
पाविचालयाये॥

रुयदयिडा॥

विदहासचाठफ्फु
पिहाडानी

आकायाफ्फुवि
लेरनडायिडा॥

विदहासचाठफ्फु
ननानेडायडा॥

खारवमदू
फ्फुमदको

विदहास
चाठफ्फुडायि
डामख॥

थ्यप्रसूतीयाच्य
चव्यूव॥

नूगलेम
चीदनसत्री
नसनागदयिडा

थ्यप्रसूतीयाच्य
नूतथिमाचव
युडा॥

संग्रामनविलं
नडायि

उपद्रुडा
नेवाजायापि
जोरुयूगडा ४८
एयदयि

गडात्रागीम्वयिडाक
ल्यानश्य

साम २

विदमसचाठन

सूतीयाशीघ्रनंभा
चाव्यूलासाथ

नाकालनडायिडा

पनदडाठनथ्यक
नाससखनचानो
विदम
सचान
नविहाडा
यधकचा
डाविलेनडा
यिडा॥

खाजमद्वसू
खंचाकुलिह
जामनमयाक

विदमसचानन
लिहाडायिडा
मख॥
काका
याकथा
जानरुनि

थक्क मीर्यनी
वनमाचाव

थक्क येडा
मीयां
वध्यनंका
यवयूडा॥

नगलमकीहमहु
रखेहनेदयूडाधं

भकायमन

गडा नागिमायि
अमखू

पनद
गडाह
कविलर
नथनकाडा
ये

विदहासचाहक्की
याननानंमाचा
वयू॥

अंगा
विदहाचाहक्की
यामाचावललाम
वूनिलासाय॥

विदहाडाहचाक्क
पिहाडायाडासु
खनचाडाचा
नी॥

उपद्रुडान
हयदयि
अमखू विदहाडाह
कविलरडा
यिडा

विदहासचाहक्क

खनस्याना

आकायाक्कन
आसिधयका
मदक्क डापिडा॥
लखनचूडा
रागा नम्वकानि

विदग्धाचाठकम्भी
यामाचाकदस
ध्वक्
म्भीयातच्छि
नथिमाचाव्
पूडा

बंध्याम्भीयाकाय
माचादयिडापरु
धर्मपाठानमहा
कष्टनदयिडा

विदग्धासुखा
दृक्कननाने
अयिडा विदग्धाचा
दृक्क सुख
नेचोठनेना
नंडापिडा

ध्वक्कम्भीयाम्भीया
वयिकदाचिन्नपं
सकश्याडावयंरु

वृक्ष ४
बंध्याम्भीयाम
चादयितासाय

आकायाक
तसंशिन

नगलमकीठन
कुरयूडाम
ख
नडा
नामिव
लनेम्वा
यिमेख

पत्रदणडाठ
कलिराडाया
डालसंस्खंचा
नि

खोजमद
विद कदखं
हास्यो चोठ
दृक्कथ
नमडाभून
नमलडा नि

वंध्यास्त्रीयाऽहम्
विदहा लयाहानमा
सचाहस्त्री वादयिअ
पाकायदय

माचामदपून्ख
पाकायदयि

विदहासचाहकसि
हामअनिरू
न॥
छाका
याकनोग
नेकयाअवा
नो॥

ध्वक्कस्त्रीयानिद्रून

वहस्यगिअ
माचामदकूप

खाजमदकूपअदखसि
याअवानासिहा

थिमोवाध्वय

नृषयामचादायि
लासाय

अयमरुणा॥

ध्वक्कस्त्रीयाकाथ
मचाव्यूअ

नृगल
मच्छिनख
हनेमासिअ

तअवागीम्वाय
थक्कदाचिन्
म्वागसां तअक
वनयुनिम्वाय

विदहासचाहकथन
यनद मअनिमनस्किनन
हासचाह वानेगिनि
कथनमअ
निमसुअनननीनिम

माचामदक्या
मचादयिडा
बंधास्त्री
याभूवध्यने
कायमचादयिडा

वालखडायाक्यपा
लयादाखनखाल

काकायाक्यवि
लेहनडायि
डा
खाऊम
देकविने
लेनेडुनिडा
यू

विदहासचाहमीयाक्य
सकूनडाक्ययमा

शुक्र ७
वालकखाडायाक्य

विदहासचाहमीग
नीमडानाथनडा

चावूरयिडा

यादाघनखालसाय

यिडा

थडास्त्रीजिमसाक्य
नथिमचावूर

थकस्त्री
याकाचम
चावूर

नूगलमच्छिदनयि
क्यालीछखदद
यिडा

प्रदहासचाह
क्यभूनचा
गडारे
गीम्वायि
मखू
नागुनि

मावागा खालस
खमयाया ख
मचाम न
दक्षपून्
षयाकायदयि

बंधाश्रीयाकाय
दायिअमख

बालखवातग्रहया खोजमदक्षमद
दाखेनवागीशुल
म्यायुअमखऊन
नयाकसाम्वाय
रू॥
गाधंधाका विदग्धा
धमन सचाउम
आनिथेकना
सचाननुनि॥

अनिश्चर ७
वातकनामिक्त

प्रदक्षसचाउक्षग
नमडाहलिहाडा

म्यायिलासियिला ला॥
साय॥

विदग्धासचाउक्षी
याविलेन
सचाव
य
श्वक्र
श्रीयात्रि
कृथिमावा
व्रियिडा

श्वक्र
श्रीयाकाय
व्रियिडासंसयका
यमन॥

गडावागीवासलया
न यममवालेमवा
गलम यिडासख
किहकुध
गुयादाषन
सियिडा॥

वासकम्वायिडासं
दहमद
वासक
खालेनी
ननागदया
डाखालो

विवाहाणीघनंरु
यूडा॥

खाजमदूकविदध
डाठकननान
नयिनडा
ना

मचामदूकपून्
षयाक्काचदयि

वाकू ट
विवाहयायणल

नडावागीम्वायिख
हगासचायमन

पाक्काडाविवाहरु
यूलासाय॥

संध्याम्नीयाभूनकऊ
लेयानानका
षदयि विदधस
चोठम्नीया
नीधनभाचा
वयू

थक्काम्नीयाणी
घनंकायवूयू
द

नगलमक्काठनली
थक्का ८खठनद
म्नीयाभू यिडा
वस्यनंकाय
वूयूनागिऊक
रूयूडा॥

विवाहश्रुतिशीघ्र
रुयि

वालक
महासंसन
म्वायिडा

थक्कम्पुडाविवाह
पाहानश्रुतिमुख
जादियिडामख

पनदहाडाहक्क
अननंमलडा

ता कडावागीया
लायलास्य
डासा

वालकखालखाथ
स्याकयात्रागत

कुरुत
खालपाक्कम्पुडावि
वाहयाहुरुशय
लासाय॥

नगलमळिडयाम
रित्वनमालि

मचामदक्कयन्नया
अनकजलया वंध्या
हानकाय क्रीयाअ
दयि नकजलया
हानम्माचेद
य

विदहासचाहक्की
याक्काचवपिना

थक्कम्पुयाक्काचव
क्कया यथक्काचव
वित्तरन यिनिथीसा
माचावयि शरुय
डा॥

थ नमो विवहायादा
नमो हातु रव
विवाहा य
शुभुजा विद्य
ऊक शयुजा

वासुकपडा अकु
दहानमहाभान
न्दरुयिजा ॥

नडा नागि
याशायल
यिमस्व
नगलम
द्विडननव
धनखडनम
लिजा ॥

वासुकगडाक
नम्यायिजा संमय
मत्वा ल ॥

अष्टिनि ॥ १०॥
वासुकपडा अ
कुदहानगुरुशयि
जानामाय

थनस्तुयानिष्ठय
यनकायभावा
वूपिजा

वासुकरवातदमवा
वनादष्टिदा मद्रपू
षनखा नखिया
स मवादयिजा
मरपू

वैष्णवस्तुयानेवत
संमवादयिजामर

थनस्तुयान
विद नानमवा
वासा वयिकक
वास्तुयान
नानमरुन
मवावयिजा ॥
शकासि
यमा
ति

थ वामुय नानपरम
क्रेमु) धुरसुखलाय
वेवहानका
कानेरींरुय
महीनैरुय॥

कूदहानधुरधुर
रुयमखधुरसुख
रुयडा

नगलमकिहरी
हखहनेन
द

थ कस्की
याकावव
युमावातागीरुय

यवहाननिधयनं
रुय

रुनधी ११
कथमदहानथडा

थ कस्कीविलंरु
नमवावयुडाक

धुररुयडाला
साय॥

धुरकापामन
सियुडा

वालकयले
याहानमवापि वा
उमच लकरवा
स नो गदया
ओरवा॥

मचामदूपरुख
याविलेवनकाय
कमचदपिडा

विदहासवाहकी
याकायमावा
वंधा
कीयाज वृपिडा
लेयाठाका
यवृय

कदगनधन
वासुप नासहयस्त्रीपू
नधनधा गडाकल
न्यग्रहसखेन
निडा

मुमिलाहानिस्तका
यानसखीश्य
हमिलारुदयिडा

थक्कस्त्रीया
कायेदपू

थक्कस्त्री
यारुतिवि
पुंनमचाव

थक्ककान्यास्त्रीवाहा
याछानथक्कन्याविध

कनिक१२
हासपागुहमिला

विदहासचाठस्त्री

श्युडा॥

हानीसकायानधु
रलोअधुहलासा

पाणीघननमचा
वृयुडा

विवाहश्युडा
मखधंधाका वाल
याडास कसख
नमम्बा नेनम्बा
स पिडा

वालकखालाअ
कस्मातमालस्या
जाडाखोला

वंध्यास्त्रीयायत्न
मा पाछानमचाका
चामाड यवयू
पूखया
विलेनपडि
कायवयू

उमिलाहा गिसका
यानस्वार्थदपि
कुंद मखविवा
ज्ञानमध दश्य
मफलस्य

हालपादकासक
पाछानहस्तिन
रुपुडा

थक्रस्त्रीया
सखनेम
वावय विदजस
वाहस्त्रीया
कश्चनमवाव

वासुजानेख्याह
महासखरुयुश

बाहिनी १३
हालपादकास्तिन

बंधास्त्रीगोवे
लसंमो वाद

गाकाले

नवानफयिगला
सोये

यिमख

थक्रस्त्रीयाविवाहा
नपाछानस्त्रीयूयु वि
वाहा
चसिपि यायह
लेपाकडा
विवाहजी
धंश्य

वालखम्यायूम
खूननानंसिम्

मात्रामदपून्
वा षयाभूदीक
लक कायदयि
खाल
रुगयादा
घन

शालपादशसमन
शालपाकाति
उमिला दिशुपू
रुतिसकाया
नसुखरुपु

हेदज्ञानमर्थधर्म
काममाक्षलापि

वासुपेजनम
धामफल

थल
ओविवा
हयाज्ञानसु
विजुयु

राज्यसउपद्रवजुओ
यामनुष्यपापीडाजु
यु

मृगाशिर १४
राज्यसउपद्रवक्षे
ढकजुओयासु भासु
भसो ये

विवाहसत्वापुजुयु
ओशीषनंविवाह
जुयुओ

विदेशेसचोस
चाहकीपा वंधा
सुखनं क्रीपा
मोवा कोयन्का
वय चदपि

मोचाडपुरुषयास्त्री
यागभंसमावा
दयिअमपु

वालकखालो
वातपित्तयाध
वाल याधातुन
कतओ खालो
कण्यान
नस्वापिओ

रविच्योसोये

उपुलासोये धञ्चो मखुतापितयना॥
ज्याखये॥ १॥

विदेशावापा

तच्योडस

याराभ

दवि

खो

भीनपा

विषय

जैनेयाडा

नलोयिञ्चो

मरु

सेवायाउनसु

खदयिञ्चोमसु

ससयउवयगुक

समीपसुंदयल

थजहिक

नवसका

लेयननन

लोयिञ्चो

माडा नलोयि

खो

राजायाकासिद्धिजुयु
थडातभतिलाभ
राजाया
गिरभारावि
पागुम्यातलेचो
नि

थडाडपरसराजाया
अदिकतमषु द्रापा
पाथेचो नो॥

विद्यासेजानमहा
विद्याआदिनस
तडवस्तु
कजलेया
घारंलापिम
ख

फुडचोडवस्तु सुखभोग्य
चित्तस्वान भ्रादिनप्राप्ति

अष्टा ॥ २०॥
थडाडपरसराजातम

खुसेयडवस्तु अनेक
यत्तया जनेलोपि

नुयुडामखु

वाडानसात्तिजुयु
लामजुयुरासोये

मखु

चाकरियादास
पाकेविलेभन विदे
कर्मदपिडा शतव्या
पालडाड
मेकाकष्टन
पाडाविलेभन
थेनि

भालपाविखयेवि
लेभनलापि

गामपापुहखन
सेवा खुलथडाहित
पाडान मख
भूमिलाभ

राजा या तम वा अन
राजा प्रसाद विधि
या ज्वा
। स इ जु
स्वे स्मि था त भ
य द धि ड

न नाने शत्रु फु पि ड।
यि

त ड व लू ता का त न
तु निले यि ड

तु
से य ड
वे लू ला यि
ज म खु

राजा न वि या जा शिर भा

मूल २८
थ ड ण त्रु फु यि ड

व लू क ता पा ले य

रा ता का ले चो नि ड ॥

ला म फु यि ला सो

न प्रा मि जु यु म खु

फु ड चो ड सु ख वि न स्वा न
स्त्री विले भ न प्रा मि
जु यु ड

वा
का रि
प्रा क ते ड अ ध
ड का र्य स स
वा ला यु

वि देश स व्या ल ड ड ड
प्रा म न स सु ख न चो नो

से वा पा ड न भा
भा रं भ मा त्र सु
ले पा वि
ष ये न ना
नै ला यि म खु
ड

शकुनाशकुयुडा
राजा तमबा
अतरपर
पि

वाजानवोनकलरुल
शुतकुयुडाविलंभय
येमते॥

खुसेड वसुतापाले
योनो

खुन
खुडाव
पुतेकवि
लंभने
पुयि

राजायाज्यासिद्धि
युडा

पूर्वाष्ट २८ ॥
राजनवोनकलरुल

सेवायाजनफल
लायिडामखु

कल्यानकुयु

शुतशुभतोये ॥

राजानजागिरभा
राविडागुपुला
दक्षिजक
थानि

रु
उर्वा
उत्तरा
विचित्र
दक्षिण
प्रा

वाकरियाडाक्याकेन
महाविलंभनकार्यसि
दिजुपु

भालपाविषय
वि ननानलाय
देशस
व्यापाल
अहककान
संचोनतुनि

ना जानवान कले
इलरय दधि
नरुधि चउपाय
मेनवानि मरु
दूचिडामरु

कूडातडा कननानं पिका
यूअ संदह काय मते ॥ ॥

थडाग्रामयासमी
पयारुनख
लमवने सेवाया
मख ननेथडा
जिडाकूयडा

गजागमवाडानम

उपारवाढ ॥ ३० ॥
कूडातडा कननानं पिका

गलवाविषयडाद
नथिलायिडा मख

वयासिडभयथमालि
डा ॥

नकायिचलासाय ॥

नाजायाक अनक
सिदिरय ना
डा जानवि
जागना
नाचानिमख

रूचवाहसुखराग्यविन
सानकीदकिनथिनायि
असंदहकायमते ॥

विदवाडा व्याल
वा डाहकसुख
कनी नवाडा
यादान
थमसिना
नरुलायिमख

कृष्णगङ्गाकृतविल
नानपिकायि
नानान
वीनकल
प्रायदयिम
ख

नाजायासेवायाछान
रतिमायकललायि
डा

सवायाछानकल
लायिडाधंधा
मद॥
लाल
पाविष
यनिश्चय
नलायिव

अकुरुयिवगमल
नकुरयिडा

ध्रुव॥ ३१॥
नाजाकाजियासेवायाय

विदग्धगव्यापलडा
इकपाननानवाया

लालपानयातकिवलाम
यातकिवलामाय

ललालदयिव

नाजाकमचाडान
लयदयिडाम
ख
ना
जाया
कासिध
शयना

नाजानवियाजागिनलाना
वानिडामखचानसांदख
सियिप्राप्तिदयिमख॥

वाकनियाडानता
कुरु कलकलनरु
चोहस ललायडा
खलाय
लीआदिनना
नलायि

राजायासवानरु
लमखेमं छिया
सवानरुल
लाय

कडाडा
मडासन
नानं पि का पि मख
मख

मननरुलपागु
लिन नानं सिद्धि
रुय॥

रात्रपाविषय
दक्किनथिला
यमख

विद
गामवा
पालडाइफ
यामहाइखवि
लेहनप्राफिनुयडा

राजानवानकलहडान
रयमेइ

अरिजित॥३२॥
मननरुलपाका
र्यसिद्धरुयवा

वाकरियाडानरुल

कार्यनवानकलहल

सुखयलाहा
य

प्राफिरुयमख

मकहयदपिमखन
कुरुयीमखन
नप्रोतियायू
नाजा
नमवा
डानथव
जीवयापा
जशय

राजायाकार्य
सविनरुनसिद्ध
रुयसंदहमवा
ल

इच्छासुखविनेखान
ना मुप्रापिशुषुकसुइ
जानावि
रात्रागाका
लमान्नदयिका
डवानिडा

मननरा लपा सिद्धिं
नाजा यडा यिमडा प्राणि
यासवीपा रुयडा ॥४॥
जानकस्यान
रुयडा ॥४॥

विद्येति यत्रीवान्द्र
रिक्षनद्रुवसियाव
वानाविगायायमन

विदमनसचाठव्या
पालडाठम्याग वा
जइ विद्यान कत्रि
अयडा ॥ लकिनधि
रुललायडा ॥

रुठावडाप्रद्रुन

धनडा ॥३३॥ ॥
विदमसचाठपरिवा

रुठचाठसखराग्यविग
खानगाकालमुआदि

धिपिकायडा ॥४॥

नरुखनवानालाम नलायिडा
वालासाय ॥४॥

नाजानवानकलेह
लेमान्यदयडा ॥४॥

रुन
रुयलाय
वेसमदडा ॥४॥

नाजानमचावन
रुयदयिवमखूडा
पापार्थकालन
वानिडा ॥४॥

नाजा नाजानजागिरा
याकार्य नावियागुतिहि
धिनरुयडा नमरुला
मेखसिद्धिमद नवानि
ज

विदमस्तु वाच्य निवा
सुत वमन यादखन
वयामन वीना
नभालपागु
धर्मरुतताकाल
नलोपिव

ब्राह्मणपावाजायाका
जियासवायाछानद

किनथिला रुदयिव

रुडातयाक विल
एतपिकायडा
ना जान
कोनक
लेहलस
विधरुपुव

मनुयैरयाछानध
मभाकामलापिडा

गत विषा ॥ ३४ ॥
मंत्रकायानयज्ञया

छानसुभअसुभरा
ये ॥

गङ्गाश्रुसवाठाव
शलंगमसवानाडा
शलंमकवायायू

वाकत्रियानाफ्रपा
कुरुलदयिमखु
वाकनेतोले
तिव ॥
रुद
चोठिगु
हसुख
ओओदिन
दकिनथिला
पुतदहमते

राजानविषाजागि
बरा नाथिननचा

विमखु

राजायाकार्य
जिलानथि
नाजा
तमचाव
नतवरय
मलुबुयपु

मंत्रयज्ञपुरश्चरणाया
विदुः॥ वागुलिसिद्धिः
सवाहपदि यज्ञ
वानसखनवाह

१५
धर्मागियत्नयाज्ञ रुहवाहसख
नम्वायिडाथथेन मुग्धादिन
यत्नयाज्ञ प्राप्तिजुयु

नाज्ञानवियाजागि
वाहिवनवातिडा

पून्धनमननहाल

पूर्वरुद्र॥३॥
नागिन्वायिडात्ता

नाज्ञायाकार्यवि
लंनसिद्धिजुयु

पागुलिननानंसिद्ध

सिद्धिनासाय

नाज्ञायासवायार्क
मखूमयाकैमख रुघ
क्रयालनना अगडाक
जसवाया निदताक
यिडा गडातयि
ज

नाज्ञानवानकलह
लनधंधाकायमर्त
क्रयातकयातदः
खरुयिडामख

नाज्ञागमवाज्ञानवागा
यामनमनममद

सदस
हाजहय

मन्त्र
 यद्वाग्दानं
 राजादावतुपद
 र्थेऽश्वसिपिडा

वागियावागत
 नातंलापिम
 ख

देवपयादाषनत्रा
 गिरुल

वाजानवियागाना
 जागिलनिद
 तावानि
 अ
 ननानसिद्धिरय
 वाशा
 याकार्य

विदधसुपविवातनडा

उग्रद॥३७॥
 वागिक्रयादाषन

वाजानमवाडानधनप्रा
 दाहानिरय

इश्वरमवाडाडावा
 ह

रुलखससाप

पुनरुक्त्यामननशाल
 पाशुलिममध
 मरुलला
 य
 वा
 जाया
 वाया
 नसिद्धन
 नानरय

कृष्णगडाकविलेह
 नपिकायिडाधनन
 यमुककृष्णकमा
 लिडा
 अं

वाजाननतान
 कृषिडा
 वाजा
 नवानकल
 रुडानरयश
 यडासख

गति
पासा
नसि
३१

मनूष्य न जति
जाले या छ
वना गिरल

१७
तापिन वा दना
निम्वा यि मख

गजाया कार्य तिद्धि रय
मख कदा विहल सांस्थि न
मखी दः॥

मंत्र यद्गारं रतया
नान प्ररुलला

पि ३१

ववती ३१

न यिन वा द
ना गिक मल र
जोला मरुला साय

गजा कुम वाडा
पद विम को द ला मि
हल

वदू यी ड मख

धमन रुय दया
३१ मख

विद भ म वा छ
पतिवान मखन
वा न

मन रा ल
पा का र्थ सि
धिरु मख

गजाया ल वा
पा फान रु ल
लो र मख

कूडा
डा न ड मि
मख रु य क
यान पु न रा
छान कदा वि त्वा
यडा

गजानवान कल
हल न धन
ला ए द
यू

आपुयाया
खननागि
हलविं
तापायम
माल

नायिनेचाठ क
नागिकुललर
याडेवा ६
नि

सोऽयाया नअनेन
किहिवाति या लार
दयिडा

वाजातमवाउनविं
नयायेमत
लयदतसात
उधनराय
मद मफुनानमिज
रुपुडा

नागियात्रागदशी
हामरुमरुपु
यूडा

वेभाख ३८
हायायाडासात
दापलमदापला
हाये॥

वाजानवानकलरुलन
दक्षिश्यडासदहका
यमगदुपायाथ
सिद्धिरुपुडा

मंत्रयलआरंभ
याहालवस्तु क
हानि
रुप

विद
मसुवा
इयत्रिवा
नकदाधि
सियंरु

मननगालय
उसिद्धिरुय
डा॥

जाया
मवाया
होनमन
रुसिद्धि॥

कूडाडातडात
देक्किनयिपि
कायिडा

लोकायाचनम
धामरुल
नामिने
वाठलना
गिरातिकु
लश्याडिवा
कानि

शानियायलडायाति
रयूडामरुपूथ
रुलसानंरुनाकिव

नरुपूवसं
नरुपू

नाजानवानक
लेहडानसखद
पिडी

मलेपूजायागडाने
नपूडाडारुल

अष्ट ३२
शानियायलडा

कडाडानडात्मपिकायि
डामरुपूइत्यूरुप

शानिरयूडाला
साये॥

नयागिरयाडामरुपू
रयूडा॥

शानियागोग्र
हमंयाडानल
दिनलिहय
डा
मं
अजस
आरंभया
जिनमधम
रुललापिडी

विदमसुवाठ
परिवास्तुवन
वाना॥

मन
नगल
पागलि

गशापासुवापाडा
कसवापोअनसाद
नरुलमेइ

नकालनहि
दिरुममधमरु
ल

प्रितिया यभालपाल
प्रोप्रितिजुयिओ
॥

हो जयाया
जननिफल
जुयिओ ॥

राज्ये सन्नर्थिक राजानवीनकल
यजुमु वलिवाद हलओनेमते
यिओमरु ॥ ॥ तओधु ॥ ॥

ऊमओ
तयासपि
कायिओमरु

तायिनेरोहमरोगिनत
ओदुखसेयाओवीन

आवाढा ४० ॥
राज्ये सन्नर्थिक

राजाया सेवाया
यमंत्रियाहा

ति।न

यजुयवलाप्रजुय
ओलासोय ॥ ॥

रानयाजन
फललायिओ

सलिलयाधातन
रोमिजुरोचिता

यायमुमाल रोमिया
लोगनना
नंहुयिओ

मंत्रयज्ञमारम्भ
याजनवपदार्थ
यालानमडः ॥ ॥

विदेश मननभालपाल
शरोहुय पाज्यासिद्धिजु
रिवारनडः यिओमरु
खलियाओवीनो

ॐ शिरोमण्यो नमः
 श्रीतिपा
 पायेन व
 श्रीतिपा
 मुकुट
 मरुत ॥

ॐ
 श्रीनिज्यया ज्ञान
 मतिमात्रे ला
 नदयिओ ॥ ॥

कुलओतया
 ल. दहि
 धिपिका
 यिओ ॥
 रजाया
 सेवाया
 ॐ नमो भगवते
 ॐ नमो भगवते

लोकाया ज्ञानतओ ॐ ॐ

श्रीवना ॥ ४१ ॥ वानिज्य
 का ज्ञान लाभ दयि
 श्रीनमो य ॥ ॥

मननभालपागुरि
 ननानंसिद्धिजुयिओ

तायिनेचोडरो
 गिआजि
 वमदत
 दाकिनि
 नपुनश्च
 रोगिसिय
 लंफु ॥ ॥

रोगिया रोगवीलं
 ननदेयिओ ॥ ॥

विदेशशचोडपरिवार
 मंत्रज्ञ यामहाइत्यातजु
 ज्ञानदेवताया
 ज्यासिद्धिजुयु ॥

राज्ञे स
अन्नदधि
नधि कथ
जुयु ॥ ॥

वा निज्यया ज्ञान
ला भदयुओ
मरु ॥ ॥

दारिद्र्यया त धन
उत्पत्ति नुयिओ ॥ ॥

राजाया सेचा
सजज्ञमंत्र
सिद्धि नु
यु ॥ ॥ मनसपाल
पात्राविलंभ
नसिद्धि नुयु ॥ ॥

प्रीतियाय भालपा
प्रीति नुयिओ ॥

भद्रया ॥ २॥ दारि
द्र्यया त धन पा
विदधि नुयिओ
मरु ॥ ॥

विदेश शालयो
परिवारया रुपा
थेवेवला लन
वोनेमयु ॥ ॥

लो ज्ञा याज्ञ
नमध्यफल ॥

तायिनेवो
रुद्ररोमि
हाशं सयन
म्वान्नवनोन ॥

सलिलयाधा
तुनरोमि जुल
वितायाय नमाल

मंत्रज्ञज्ञभारम्भया
ज्ञानसिद्धि नु
रोमियाशे यिओमरु ॥
गङ्गेयिओमरु
मृत्यु नुयुव ॥ ॥

दरिद्रस्य तद्वन्नदत्त
तिदयिनी मरु ॥

वानिज्य
याजनम्
लघुघात
मदयिओ ॥

२३
अवयवकधरि
तथाजनमध्य
फल ॥ ॥

मनंभालपा
जाननानं विदेशो
सिद्धि
परिवार
यिओ यानलामदया
ओङ्खलियाओ
न ॥ ॥ ॥

राज्येसहायाअन्नधिक
मज्जयाओरोनिओनि
लसअन्नदनीओ ॥ ॥

भाषिन ॥ ४३ ॥ वस्तु
कधरितयाङ्गनला
मदयिओ मदयि
ओलोय ॥ ॥ ॥

मंत्रमज्ञारम्भ
याजनविलम्भ
नसिद्धिजयिओ ॥

पितियायभारपाह्न
ओहापांमज्जओ
लिफसंप्रति लोआ
मज्जओ ॥ याजन
केसिवासे
आमिजयिओ

तायिनेचोङ्ख
रोमिकुशनचोन ॥

रोगीयारोगवैद्यया
वासलनडे यिओ

दैत्यनपु
जवरोति
जुर ॥ ॥

वयतु कथरित याज्ञ
नलानदयिओ॥

दारिद्र्य
याज्ञाथनु
लेलिख्यला
यिओ॥ ॥

24

पृथ्विसूता याज्ञ
नपृथ्विसूतोऽव
लायिओ॥ ॥

विदेशशब्दो रूप
रिवारो गिजु
याओ दुख मंत्रजज्ञ
नवो नम आरम्भया
जनन नानं
सिद्धि लामुव॥

वानिज्य याज्ञ नड
गनहिलाभदयि

कार्तिक॥४४॥ पृथ्वि
मयोऽधनप्राप्तिजुयि
आरामनयिओ सोया॥

रोगिया रोग सिड
ओ नो वओ जुय
करो गिजुयिओ

राज्यसअनधिक
शय॥

प्रातिपा
यसुजा का
लायिप्राति
शयुजा॥

मो ज्ञा याज्ञ न
मध्यफलला
यिओ॥ ॥

पिहवल लाक
पानिमिहनागि
तायिने शलनना न
चो छरे लाय
गिनेलानथि
लाय॥

एधीसुवोड-धन
तडाकतयाडा
नेलायुव

वसुखरि
तयाडातख
रितनमियेमा
लिव

25
दामत्याडातयाधनि
पुलेफसुव॥

मंत्रयज्ञश्रारंभया
जनफललायु
वमसु॥

रोमिया
रोगग्रहशां
याडातपाठ
याडातरोगलायु

दाहिडसुनचाकरि
याडात. धनदयूमसु

मार्गसिल॥ ४५॥
दामत्याडातयाधनि
पुलेफ. यलामफइ
नालोया॥ ॥

मनुष्यनअपचारयाडा
नरोगिजुलबुलुइल
लायु॥

वानिन्ययाडा
नलाभदयु॥

राज्य
सअन्न
थिकयजु
युथकना
सचोनिमसु

प्रीतियाडा. याये
हमओयर्त्तनुनि
प्रीतिजुयु॥

तायिनेचोंसरो
गिकुशलमजुव

होज्यायाडा
नदारिद्रजुयु

रामत्याङ्गतां ध
निकालनतुनि
पुलेफयिव

दृष्टीस
वोङ्घनला
युमखु॥

शत्रुवल्मीनशत्रुपु
तकेफयुव

रोगियारोगन
नानंलायिव

वातापित्तरो
वमनरोति
जुल॥

वयनकालित्याना
नलानदयूमखु॥

यौष॥ ७६॥
मेवववाद्यानानध
मत्तायुमत्तायुसा
ये॥

नाइनेचोडरोमि
धाकायमम्बाल

दारिद्र्यमयात
धनदयिव निज्य
मखुत राजन
लायसुद्धा
नाशत्रुयुव

राज्यसफरितं श्रव
धिकयजुयुवसदेह
कायमम्बाल॥

प्रीति
पायेहव
जापायाथेंप्रा
तिजुयुव॥

हो ज्यायाना
नेश्रदीकलाभ
दयुव

शत्रुवल्वायजकं
दधुवशत्रुकृष्

त्याजतया मयु॥

धनिकृये कु
यिनतिफुले फसुव

० 29
दामत्पायवियान
थदामफुयुव

वायुयाविका
रनरोमिनु
ल॥

पृथीतनेरधनिनव
दहयापूजावाजान
लोयुव

माद्य॥ ४७॥
रिनियातदामत्पाय
वियानमभ
मभममये॥

होज्यायाजनपुसा
सुदानासनुयुव

सियेमालिवति
स्फुल॥

वस्तुरवतयाजत
लाभदयुव
दा
रिड
मिनतव
उःखसिया
नधनदयिव

वानिज्यायाजन
सोदेनलाभदयुव

शतियायस्रवप्री॥
तिनुसेलिथव
रा जसस्र जकमिड
नधिक जयव
यनडापेद युव

नामत्यायवि
यानचोकश्च
दिदयव

तिर्थसचिदगा
नेफयव डयवे यनतो
लेतेमालिव

तास्तिचोडरोमा
यासुखदयाव

लोज्यायाडात्र
विपत्तिपरिभ्रम
जकजुयव

शामुवत्वा
तानथमजुको
फुयव

धतिननालेपुलेफयी

फाल्गुण ४८
तीर्थसचिदगा

प्रातियाये सचविले

सत्यरुमन्वाले

नेफजीलामफ
यीलातोये॥

मनसंविप्रातिदयीव

पृथ्वीसचोड
धनलायीम
पु

मय
उखरि
तयाइन
लोममध्य
मफला॥

दारिद्र्यमतधनला
भदयीवमखुव
नयाविंतातं अणे
सियुव॥

राज्यसञ्चनधिकय
जुयव गुलानधि
वाले
ज्ययाइन
नवनजरा
निजुयव